संवाद पत्र
पूर्वोत्तर सीमा रेल
निर्माण संगठन

अंक 20 | वर्ष : पंचम | त्रैमासिक | अक्टूबर, 2011

सिलीगुड़ी-अलुवाबाड़ी नव परिवर्तित सेक्शन में पहली बीजी रेल सेवा और सिलीगुड़ी-बागडोगरा सेक्शन में एम.जी. रेल बस सेवा का शुभारंभ

सिलीगुड़ी में बीजी रेल सेवा तथा एम.जी. रेल बस सेवा के शुभारंभ का दृश्य

माननीया मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल, सुश्री ममता बनर्जी ने दिनांक 19.07.2011 को सिलीगुड़ी में सिलीगुड़ी-अलुवाबाड़ी नव परिवर्तित सेक्शन में पहली बीजी रेल सेवा और सिलीगुड़ी-बागडोगरा सेक्शन में पूर्वोत्तर सीमा रेल पर पहली एम.जी. रेल बस सेवा का शुभारंभ श्री दिनेश त्रिवेदी, माननीय रेल मंत्री, भारत सरकार, श्री पार्थ चटर्जी, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, पश्चिम बंगाल, श्री गौतम देव, माननीय नॉर्थ बंगाल विकास मंत्री, पश्चिम बंगाल, श्री सुव्रत मुखर्जी, माननीय लोक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग मंत्री, पश्चिम बंगाल, डॉ. रूद्रनाथ भट्टचार्य, माननीय विधायक, श्री देवप्रसाद राय, माननीय विधायक, श्री खगेश्वर राय, माननीय विधायक, श्रीमती गंगोत्री दत्ता, माननीया मेयर, सिलीगुड़ी म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन, श्री केशव चन्द्रा, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल, श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक/निर्माण, पूर्वोत्तर सीमा रेल और अन्य गण्यमान्य अतिथियों की भव्य उपस्थिति में झंडी दिखाकर किया।

अलुवाबाड़ी रोड-सिलिगुड़ी जंक्शन सेक्शन के मीटर गेज को बीजी में आमान परिवर्तन करने के लिए वर्ष 2009 में बंद किया गया था। यह कार्य वर्ष 2011 में पूरा किया गया। सिलीगुड़ी जंक्शन-बागडोगरा-अलुवाबाड़ी सेक्शन के आमान परिवर्तन के बाद सिलीगुड़ी जंक्शन-बागडोगरा सेक्शन को बीजी ट्रैक के बीच परिचालित एम जी ट्रैक सहित दोहरी लाइन सेक्शन के रूप में बरकरार रखा गया है। एमजी सेक्शन को विरासत सेक्शन के रूप में रखा गया है और अब यह रेल बस सेवा के यातायात हेतु उपलब्ध है। यह रेल बस भारतीय रेल में अद्वितीय है और बजट प्रतिबद्धता को पूरा करते हुए इसकी शुरूआत की जा रही है। सिलीगुड़ी जंक्शन स्टेशन की खास विशेषता यह है कि इस पर तीनों गेज की गाड़ियों का एक ही साथ संचालन होता है। संपूर्ण भारतवर्ष में सिलीगुड़ी जंक्शन ही एक ऐसा स्टेशन है जहां ट्रैक की सभी तीनों गेज अर्थात बीजी, एम जी और एन जी मौजूद हैं।

माननीय रेलमंत्री का दिमापुर दौरा

माननीय रेलमंत्री, श्री दिनेश त्रिवेदी का स्वागत करते हुए माननीय मुख्यमंत्री, नागालैंड

माननीय रेलमंत्री, श्री दिनेश त्रिवेदी ने अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड, सदस्य इंजीनियरिंग तथा वित्त आयुक्त सहित दिनांक 11.9.2011 को दिमापुर का दौरा किया तथा माननीय मुख्यमंत्री, नागालैंड, नागालैंड सरकार के मुख्य सचिव तथा अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें नागालैंड में रेल नेटवर्क के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के साथ बैठक

त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के साथ दिनांक 01.7.2011 को बैठक आयोजित की गई। बैठक में अगरतला-सबरूम नई लाइन परियोजना की प्रगति में तीव्रता लाने के उद्देश्य से भू-अधिग्रहण और वन अनापत्ति संबंधी विभिन्न लम्बित मामलों के समाधान हेतु विस्तृत चर्चा की गई।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
श्रीमती विजया कान्त महाप्रबंधक/निर्माण	श्री सुभाष चंद्र रजक मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि	श्री जगन्नाथ उप महाप्रबंधक/राजभाषा/नि	श्रीमती रंजु झा राजभाषा अधिकारी/नि

65वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक/नि।

निर्माण संगठन में "65वां स्वतंत्रता दिवस समारोह" धूम-धाम से मनाया गया। एक भव्य समारोह में श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक/निर्माण ने "राष्ट्रीय ध्वज" फहराया और अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिजनों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। अपने वक्तव्य में उन्होंने संगठन की उपलब्धियों एवं चालू परियोजनाओं की प्रगति के बारे में विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कर्मचारियों को "वीरता" पुरस्कार और रेल कर्मियों के बच्चों के लिए "राष्ट्रीय अखंडता" विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें रेल कर्मचारियों के बच्चों ने नृत्य-संगीत प्रस्तुत किया। इसी दिन महाप्रबंधक/निर्माण ने निर्माण संगठन के नए वेबसाइट और कार्यालय परिसर में वाई-फाई नेटवर्क का भी उद्घाटन किया।

असम के मुख्य सचिव के साथ बैठक

गुवाहाटी में दिनांक 01.08.2011 को मुख्य सचिव, असम सरकार के साथ एक बैठक की गई, जिसमें रेल परियोजनाओं के निष्पादन में आ रही सुरक्षा समस्याओं से जुड़े मामलों को उठाया गया। अब राज्य सरकार द्वारा असम औद्योगिक सुरक्षा बल की 2 कंपनियों की तैनाती करके रंगिया-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन परियोजना के अपेक्षित ब्लॉक कार्यों के लिए सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है।

सद्भावना दिवस का आयोजन

पूर्व प्रधान मंत्री, स्वर्गीय राजीव गांधी की जन्मतिथि के उपलक्ष्य में दिनांक 19.8.2011 को महाप्रबंधक/निर्माण कार्यालय परिसर में सद्भावना दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य इंजीनियर/निर्माण/मुख्यालय ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय अखण्डता एवं सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सद्भावना दिवस की शपथ दिलाई।

रिजनल परमानेंट को-आर्डिनेशन फ्रेमवर्क की बैठक

पूर्वोत्तर में रेल लाइनों के लिए गठित "रिजनल परमानेंट को-आर्डिनेशन फ्रेमवर्क" की तीसरी बैठक दिनांक 24.08.2011 को सेना के पूर्व कमान मुख्यालय, कोलकाता में हुई जिसकी अध्यक्षता चीफ ऑफ स्टॉफ, मुख्यालय पूर्व कमान ने की। इसमें सामरिक महत्व की रेल लाइनों की चालू परियोजनाओं एवं सर्वे की समीक्षा की गई।

महाप्रबंधक/निर्माण, पू.सी. रेल का मिजोरम दौरा

महाप्रबंधक/नि. के साथ चर्चा करते हुए मिजोरम के मुख्य सचिव

श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक/निर्माण ने 3 तथा 4 अगस्त, 2011 को आईजोल का दौरा किया। उन्होंने भैरवी-सैरंग नई बीजी लाइन का निरीक्षण किया तथा परियोजना अधिकारियों के साथ प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने भूमि अधिग्रहण और परियोजना के लिए अन्य मदों हेतु मिजोरम सरकार के मुख्य सचिव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। बैठक में रेल प्रतिनिधिमंडल ने भौतिक कार्य शीघ्र प्रारंभ करने हेतु राज्य सरकार से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में शीघ्रता लाने और अपेक्षित भूमि रेलवे को सुपुर्द करने का आग्रह किया क्योंकि इस परियोजना के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य पहले ही पूरा कर लिया गया है। पूरे सेक्शन के लिए वन भूमि, सरकारी भूमि तथा निजी भूमि की पहचान करने हेतु भूमि सीमांकन के लिए संयुक्त सर्वेक्षण भी पूरा कर लिया गया है।

दिनांक 04 अगस्त, 2011 को मिजोरम स्टेट टॉस्क फोर्स की बैठक हुई, जिसमें महामहिम राज्यपाल, मिजोरम, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एम एम लखेरा के साथ भी महाप्रबंधक/निर्माण ने चर्चा की और उन्हें भैरवी-सैरंग नई लाइन परियोजना की स्थिति से अवगत कराया।

महाप्रबंधक/निर्माण के इस निरीक्षण दौरे के दौरान श्री राधेश्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-1, श्री एस.एस. कालरा, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-2 एवं रेल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी साथ थे।

मुख्य संरक्षा आयुक्त द्वारा निरीक्षण

मुख्य संरक्षा आयुक्त/पू.सी.सर्किल ने कटिहार तेजनारायणपुर आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत दिनांक 12.9.2011 को नव परिवर्तित कटिहार-मनिहारी सेक्शन (24 कि.मी.) का निरीक्षण किया तथा सेक्शन में 75 कि.मी. प्रति घंटा की गति से यात्री रेल सेवा चालू करने का अनुमोदन प्रदान किया। दिनांक 12.9.2011 को मनिहारी स्टेशन को "डीके" स्टेशन के रूप में चालू किया गया।

हिंदी दिवस संदेश

प्रिय साथियो,

आज हिंदी दिवस है। इस अवसर पर आपको और आपके परिजनों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है क्योंकि इस दिन 1949 में संविधान सभा ने हिंदी को भारत संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। परिणामस्वरूप, भारत के संविधान में अध्याय 17 को संघ की राजभाषा के रूप में सम्मिलित किया गया और अनुच्छेद 343 से 351 में राजभाषा संबंधी प्रावधानों का वर्णन किया गया है।

संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार हिंदी भारत संघ की राजभाषा है और इसकी लिपि देवनागरी है। हिंदी में सरकारी काम करना हम सब का संवैधानिक एवं नैतिक दायित्व है जिसे हम सभी को अपने-अपने स्तर पर निष्ठापूर्वक पूरा करना है। हमारा निर्माण संगठन अन्य रेल कार्यों के साथ-साथ हिंदी को राजभाषा के रूप में बढ़ाने के लिए भी निरंतर प्रयास कर रहा है और अब तक सराहनीय प्रगति की है। राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित सभी प्रावधानों के अनुसार सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग बराबर किया जा रहा है। इस गतिशीलता को हमें आगे भी जारी रखना है।

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में निर्माण संगठन के हिंदी कामकाज में कंप्यूटरों का उपयोग भी बराबर किया जाए। हिंदी कामकाज में यूनिकोड के प्रयोग को बढ़ाया जाए। वार्षिक कार्यक्रम की जिन मदों में हमारी प्रगति निर्धारित लक्ष्य से अभी कम है, उन पर हमें विशेष ध्यान देना है। इनमें हिंदी भाषा, हिंदी टाइपिंग तथा आशुलिपि प्रशिक्षण विशेष रूप से प्रमुख हैं। मूल पत्राचार में भी हिंदी का प्रयोग बढ़ाने की जरूरत है। सभी प्रकार के छोटे-छोटे सामान्य पत्र हिंदी में जारी कराए जाएं और हिंदी में पत्राचार की मात्रा बढ़ाई जाए। निर्माण संगठन ने गत वर्षों में कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं जिनमें त्रैमासिक हिंदी पत्रिका "संवाद-पत्र" का प्रकाशन, निर्माण संगठन की एस ओ पी का हिंदी प्रकाशन, वेबसाइट का द्विभाषीकरण और राजभाषा डायरी, 2011 का प्रकाशन आदि प्रमुख हैं। निर्माण संगठन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से मेरा अनुरोध है कि सद्भावना, प्रेरणा और प्रोत्साहन से हिंदी दिवस की सार्थकता को बनाए रखने के लिए अपने-अपने स्तर पर हिंदी का इस्तेमाल बढ़ाने का संकल्प लें और अपने सभी सरकारी कार्यों में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करें।

जय हिंद।

14 सितंबर, 2011

विजया

(विजया कान्त)
महाप्रबंधक/निर्माण
पूर्वोत्तर सीमा रेल, मालीगांव

राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन

राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ करते हुए महाप्रबंधक/नि.

राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ करते हुए पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण संगठन) में प्रथम दिन 14 सितंबर, 2011 को हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक/निर्माण ने दीप प्रज्ज्वलित करके हिंदी दिवस समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक/निर्माण ने स्वहस्ताक्षरित हिंदी दिवस संदेश जारी किया, जिसे श्री राधेश्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि-1 ने पढ़कर सुनाया। इस अवसर पर माननीय रेल मंत्री, भारत सरकार का हिंदी दिवस संदेश भी पढ़कर सुनाया गया। इस समारोह के साथ ही निर्माण संगठन में 14 से 28 सितंबर, 2011 तक राजभाषा पखवाड़ा की शुरूआत हुई और इस उपलक्ष्य में राजभाषा विभाग द्वारा विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों, जैसे कर्मचारियों के लिए राजभाषा प्रश्नोत्तरी, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, हिंदी निबंध, हिंदी वाक्, समूह 'घ' कर्मचारियों के लिए हिंदी भाषा ज्ञान प्रतियोगिता तथा रेलकर्मियों के बच्चों के लिए चित्रकला तथा कविता पाठ प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। दिनांक 27.09.2011 को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें सभी कवियों और कवयित्रियों ने हास्य-व्यंग्य, देशभक्ति और हिंदी भाषा पर विभिन्न प्रकार की कविताएं सुनाकर श्रोताओं को आनंदित किया।

राजभाषा पखवाड़ा के समापन पर दिनांक 28.09.2011 को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

जून, 2011 को समाप्त तिमाही के लिए क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक श्री राधे श्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि-। की अध्यक्षता में दिनांक 23.08.2011 को आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत श्री राधेश्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि-। ने अपने संबोधन से की तथा श्री एस.सी. रजक, मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि ने निर्माण संगठन में राजभाषा की प्रगति की समीक्षा प्रस्तुत की। बैठक में राजभाषा के प्रचार-प्रसार से संबंधित विभिन्न मदों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक का संचालन श्री जगन्नाथ, उप महाप्रबंधक/राजभाषा/निर्माण ने किया और पॉवर प्वाइंट पर रिपोर्ट प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय परियोजनाएं

जिरिबाम से तुपुल तक नई बी जी लाइन (98 कि.मी.)

तुपुल-इंफाल सेक्शन में फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य पूरा कर लिया गया है और रेलवे बोर्ड में भेजने हेतु विस्तृत प्राक्कलन अंतिम चरण में है। 1160.56 हेक्टेयर भूमि में से 654.462 हेक्टेयर भू-अधिग्रहण, 439.61 लाख क्यूबिक मीटर में से 192.97 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य, 84.0 कि.मी में से 7.40 कि.मी फार्मेशन, 89 में से 30 छोटे पुल, 5 में से 4 आर.ओ.बी./आर.यू.बी तथा 37623 मीटर में से 409.50 मीटर सुरंगीकरण का कार्य अब तक पूरा किया गया।

बोगीबिल के निकट ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी एवं दक्षिणी तटों पर लिंक लाइनों सहित रेल-सह-सड़क पुल :

पुल के उत्तरी तट पर तटबन्ध, छोटे एवं बड़े पुलों तथा स्टेशन निर्माण कार्य पूरा किया गया और पुल के दक्षिण तट पर कार्य प्रगति पर हैं। वन क्षेत्र में आने वाले साऊथ डाइक के 3 कि. मी. को छोड़कर उत्तरी एवं दक्षिणी डाइकों का उत्थान एवं मजबूतीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष 3 कि. मी. के लिए भी ठेका दे दिया गया तथा कार्य प्रगति पर है।

तेतेलिया से बरनीहाट तक नई बीजी लाइन (21. 50 कि. मी.) (आजरा-बरनीहाट नई लाइन का वैकल्पिक संरेखण)

तेतेलिया से बरनीहाट तक फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा किया जा चुका है। रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 05-08-10 को कुल 384.04 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत किया जा चुका है। सभी 12 भू-अधिग्रहण मामलों के लिए अधिसूचना जारी की गई। 8 मामलों में भू-अर्जन प्राक्कलन अनुमोदित की जा चुकी है। सभी 12 मामलों में सरकारी जमीन प्राप्त की जा चुकी है। मेघालय भाग के लिए सेक्शन 4 (1) के अधीन अधिसूचना जारी की गई।

दिमापुर से जुब्जा (कोहिमा)तक नई लाइन (88 कि.मी.)

जमीन पर संरेखण के स्टैकिंग सहित दिमापुर से कोहिमा 125 कि.मी. तक संपूर्ण लम्बाई के लिए एफ एल एस पूरा किया जा चुका है। भू-तकनीकी जॉच प्रगति पर है। रेलवे बोर्ड ने मई, 10 में इस कार्य को आर वी एन एल को सौंपने का निर्णय लिया था। यद्यपि अब तक आर वी एन एल द्वारा कार्य निष्पादन हेतु कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है। रेलवे बोर्ड के दिनांक 15-04-11 के पत्र के तहत पुन: यह निर्णय लिया गया कि पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण द्वारा परियोजना निष्पादित की जाएगी। अब तक 9.0 कि.मी. भू-तकनीकी कार्य पूरा किया गया।

अगरतला से सबरूम तक नई बीजी लाइन (110 कि.मी.)

अगरतला से सबरूम तक सम्पूर्ण लम्बाई के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य तथा भूमि पर संरेखण की स्टेकिंग का कार्य पूरा किया गया। भू-तकनीकी जॉच भी पूरी कर ली गई है। दिनांक 29.07.09 को रेलवे बोर्ड ने अगरतला से उदयपुर तक 44 कि. मी. के लिए कुल 352.95 करोड़ रूपये का आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया है। उदयपुर से सबरूम तक शेष 66.0 कि.मी. सेक्शन के लिए कुल 777.67 करोड़ रूपए का पार्ट-III विस्तृत प्राक्कलन भी रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 23-11-2010 को स्वीकृत किया जा चुका है। त्रिपुरा सरकार को भू-अधिग्रहण हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किए जा रहे हैं। कुल 6 प्रस्तावों में से 1 सेक्शन 4 (1) के अधीन, 1 सेक्शन 6 (1) के अधीन प्रकाशित किए गए तथा अन्य 4 प्रस्तावों को शीघ्र अधिसूचित करने की संभावना है। उदयपुर-सबरूम सेक्शन हेतु निविदा प्रक्रियाधीन है।

मैरवी से सैरंग (51.38 कि.मी.) तक नई बड़ी लाइन

मैरवी-सैरंग (51.38 कि.मी.) नई बीजी लाइन हेतु फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा किया जा चुका है। कि.मी. 0.575 से कि.मी. 42.247 तक भू-अधिग्रहण की धारा 4 के अधीन गजट अधिसूचना प्रकाशित की गई। उपायुक्त/आइजोल ने भू-अधिग्रहण प्रस्ताव सचिव, राजस्व, मिजोरम सरकार को दिनांक 01-08-2011 को सुपुर्द कर दिया। रेलवे बोर्ड ने दिनांक 01-09-2011 को कुल 2384.34 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया है।

सेवक से रंगपो तक नई बड़ी लाइन: (50.87 कि.मी.)

पू. सी. रेल, निर्माण द्वारा सेवक-रंगपों का संशोधित संरेखण अनुमोदित कर दिया गया तथा सेवक यार्ड के संशोधित लोकेशन को भी अनुमोदित किया गया। रंगपो यार्ड की नव प्रस्तावित तथा प्रतिस्थापित लोकेशन को अनुमोदन हेतु सिक्किम सरकार को अग्रेषित किया गया है। कि.मी. 5 से 22.0 तक सर्वेक्षण हेतु वन विभाग से अनुमति प्राप्त की जा चुकी है। सुरंग संख्या 2 से सुरंग संख्या 6 तथा महत्वपूर्ण पुलों सहित सेवक से तिस्ता पुल (18.50 कि. मी.) के बीच भू-तकनीकी जॉच हेतु निविदा को अंतिम रूप दिया गया तथा कार्य प्रगति पर है। इरकॉन द्वारा दिनांक 16-07-10 को संरेखण अभिकल्प एवं भू-वैज्ञानिक मानचित्रण के लिए ठेका प्रदान किया जा चुका है।

बरनीहाट से शिलांग तक नई बीजी लाइन (108.4 कि.मी.)

यह नया कार्य 4083.02 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत पर 2010-11 के रेल बजट में सम्मिलित किया गया है। बरनीहाट-शिलांग नई लाइन परियोजना के अंतर्गत बरनीहाट से लईलाड सेक्शन (19.10 कि.मी.) के लिए कुल 880.95 करोड़ रूपए का पार्ट-II विस्तृत प्राक्कलन रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 13-04-2011 को स्वीकृत किया गया। खासी स्टूडेंट यूनियन ने राज्य सरकार के साथ अपने लम्बित मामलों के कारण नवंबर, 2010 से एफ एल एस कार्य को जबर्दस्ती रूकवा दिया है। मामले की जानकारी राज्य सरकार को दे दी गई है। शिलांग में दिनांक 23-05-11 को रेल परियोजनाओं की मॉनिटरिंग तथा समीक्षा के लिए नव- गठित टॉस्क फोर्स के साथ भू-अधिग्रहण मामले के निपटान के लिए बैठक हुई। भू-अधिग्रहण तथा एफ एल एस का मामला अभी भी सुलझा नहीं है।

लमडिंग-सिलचर-जिरिबाम, बदरपुर से बरईग्राम और बरईग्राम-कुमारघाट आमान परिवर्तन (367.79 कि.मी.)

लमडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत एक नव-निर्मित सुरंग सं. 3 (535.0 मी.) और बोइला नदी पर एक बड़े पुल सं.102 सहित 1.46 कि.मी. लम्बी स्थायी विपथन जिसे पहले ही चालू किया जा चुका था, इस माह ओपन लाइन को सुपुर्द कर दिया गया। परियोजना के अंतर्गत सालछापरा और अरूणाचल स्टेशनों के बीच पुल संख्या 26 से होकर कि.मी. 16/2-3 से कि.मी. 17/5-6 तक लगभग 1.294 कि. मी. लम्बे हाल ही में जोड़े गए स्थायी विपथन को सी आर एस निरीक्षण और उनके अनुमोदन उपरांत दिनांक 05-06-2011 को चालू कर दिया गया।

लिंक फिंगर्स सहित रंगिया-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन (510.33 कि.मी.)

10 स्टेशनों के स्टेशन भवन और आर वी जी कक्षों का निर्माण कार्य पूरा किया गया। 3 पुलों (45.72 मी. के 13 स्पॉन) एवं एक पुल (30.50 मीटर के 4 स्पॉन) के स्टील गर्डरों के फेब्रीकेशन के लिए कार्य आदेश साबरमती रेलवे वर्कशॉप को दे दिया गया है और फेब्रीकेशन प्रगति पर है।

वित्तीय निष्पादन

2011-12 का परिव्यय

- रेलवे बजट (नई लाइन, आमान परिवर्तन एवं दोहरीकरण हेतु संशोधित अनुदान सहित) = 2259.99 करोड़ रुपये
- अतिरिक्त बजटीय सहायता = 0.00 करोड़ रुपये
- निक्षेप कार्य (रक्षा मंत्रालय) = 0.09 करोड़ रुपये

कुल = 2260.08 करोड़ रुपये

खर्च 2011-12

- सितंबर, 11 के दौरान खर्च (लगभग) = 89.47 करोड़ रुपये + 0.00 करोड़ रुपये (निक्षेप खर्च)

कुल = 89.47 करोड़ रुपये

- सितंबर, 11 तक संचयी खर्च (लगभग) = 728.20 करोड़ रुपये + 0.00 करोड़ रुपये (निक्षेप खर्च)

कुल = 728.20 करोड़ रुपये

परिव्यय का खर्च (%) = 32.22 %

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

कार्य	प्रगति	लक्ष्य
♦ पानीटोला-डिब्रूगढ़ टाउन: स्टन्डर्ड III पैनल इन्टरलॉकिंग तथा एम.ए.सी.एल. द्वारा सिगनलों का अपग्रेडशन (राजधानी मार्ग, 5 स्टेशन)	पानीटोला से लाहोअल तक 4 स्टेशनों पर कार्य शुरू किया। डिब्रूगढ़ टाउन में पी.आई कार्य दिनांक 16.12.2010 को चालू किया गया।	
♦ न्यूजलपाईगुड़ी - बारसोई - मालदा टाउन व बारसोई - कटिहार मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्युनिकेशन	कटिहार मंडल तथा अलीपुरद्वार मंडल के 'वे साइड सिस्टम' क्रमशः दिनांक 26.05.10 तथा 9.6.10 को ओपन लाइन को सौंप दिए गए।	कार्य पूरा हुआ।
♦ न्यू जलपाईगुड़ी-बंगाईगांव-गुवाहाटी : मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्युनिकेशन	पू.सी.रेल, मालीगांव का मोबाइल स्विचिंग केंद्र तथा रंगिया मंडल का 'वे साइड सिस्टम' देख-रेख हेतु क्रमशः 25.03.10 तथा 30.03.10 को ओपन लाइन को सौंप दिया गया।	कार्य पूरा करके तिनसुकिया मंडल को सौंपा गया।

वर्कशॉप

कार्य	प्रगति	लक्ष्य
♦ किशनगंज- ट्रेन परीक्षण सुविधा का विकास	90%	निधि की अनुपलब्धता तथा साइट क्लियरेंस के कारण कार्य बंद पड़ा है।
♦ न्यू बंगाईगांव-वर्कशाप आरसीसी बाउंडरी वॉल	73%	3500 आरएम में से 2400 आरएम तक तथा 2.40 किमी पथ-वे में से 2.4 मीटर पथ-वे कार्य पूरा हुआ.दिनांक 7.6.10 से कार्य बंद है। आर एंड सी कार्य प्रगति पर है।
♦ सिलिगुड़ी जंक्शन डीज़ल शेड-100 लोकोमेटिव को रखने के लिए डीज़ल लोकोशेड का विस्तार	87%	31.08.2011
♦ सिलिगुड़ी जंक्शन-डीज़ल बहुउद्देशीय यूनिट कारशेड के साथ रेल कार रख-रखाव की सुविधा	100%	31.3.11 कार्य पूरा हुआ और चालू किया गया।

वर्ष 2011-12 के लक्षित कार्य

- मैनागुड़ी रोड से न्यू चेंगराबांधा नई लाइन
- हारमुती से नाहरलागुन नई लाइन
- रंगिया से रंगापाड़ा नॉर्थ आमान परिवर्तन
- न्यूमाल जंक्शन से मैनागुड़ी रोड आमान परिवर्तन

चालू सर्वेक्षण

क्रम सं	सर्वेक्षण का नाम	स्वीकृति वर्ष	राज्य	प्रगति	पूरा करने की लक्ष्य तिथि
1.	गुवाहाटी-लमडिंग-तिनसुकिया-डिब्रूगढ़ दोहरीकरण	2010-11	असम	95%	सितंबर, 2011
2.	जोगीघोपा से बरपेटा, सर्थेबाड़ी, हाजो तथा सुवालकुचि होकर गुवाहाटी तक नई लाइन	2010-11	असम	85%	मई, 2011
3.	पासीघाट-तेजु-परसुरामकुंड तक नई लाइन	2010-11	असम तथा अरुणाचल प्रदेश	40%	दिसंबर, 2011
4.	मिसामारी-तवांग तक नई लाइन	2010-11	असम तथा अरुणाचल प्रदेश	30%	जनवरी, 2012
5.	न्यू बंगाईगांव-रंगिया-कामाख्या (दोहरीकरण)	2010-12	असम	20%	दिसंबर, 2011

सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों का विदाई समारोह

निर्माण संगठन में पिछली तिमाही में सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों/कमचारियों के लिए जुलाई, अगस्त तथा सितंबर, 2011 में विदाई समारोह आयोजित किए गए। सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति के भुगतान संबंधी चैक तथा स्वर्ण जड़ित चांदी के पदक प्रदान किए गए। निर्माण संगठन, सेवानिवृत्त हुए इन सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके सुखद सेवानिवृत्त जीवन व पारिवारिक समृद्धि की कामना करता है।

स्थानांतरण

श्री राजवीर, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/अभिकल्प-1/मालीगांव का दिनांक 16.8.2011 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/अगरतला के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री पी.के. सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/लामडिंग-3 का दिनांक 16.8.2011 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/अगरतला-3 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री राम सूरत सिंह, उप मुख्य बिजली इंजीनियर/नि-2/मालीगांव का दिनांक 29.07.2011 को उप मुख्य बिजली इंजीनियर/नि/एनजेपी के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री पवन कुमार, उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि/मुख्यालय का दिनांक 29.07.2011 को उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि/एनजेपी के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री विश्वजीत रॉय, उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि/मालीगांव का दिनांक 29.07.2011 को उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि/मालीगांव-2 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री अभिजीत नारायण, उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि/मालीगांव-2 का दिनांक 29.07.2011 को नए सृजित पद उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि/सर्वे पर स्थानांतरण हुआ।

स्वागत

श्री देवराज, दिनांक 18-02-2011 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/निविदा के पद पर पदस्थापित हुए।

श्री हीरालाल ने दिनांक 15-07-2011 को भंडार नियंत्रक/नि का पदभार ग्रहण किया।

श्री के.एस. सुनीला ने दिनांक 17-08-2011 को वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/निर्माण का पदभार ग्रहण किया।

पदस्थापन

श्री एम.वी. प्रसाद, उप मुख्य इंजीनियर/ नि / अगरतला दिनांक 16.8.2011 को उप मुख्य इंजीनियर/ निर्माण/ अभिकल्प-1/ मालीगांव के पद पर पदस्थापित हुए।

श्री एम.के. गर्ग, उप मुख्य इंजीनियर/नि/अगरतला-3 दिनांक 16.8.2011 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/लामडिंग-3 के पद पर पदस्थापित हुए।

श्री के.सिंगसन, उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि/एनजेपी दिनांक 29.07.2011 को उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि/मुख्यालय के पद पर पदस्थापित हुए।

अलविदा

श्री के.एल. मीणा, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सामान्य/1 का दिनांक 30.9.2011 को जबलपुर, पश्चिम मध्य रेल पर स्थानांतरण हुआ।

अपना निर्माण संगठन

अपना यह निर्माण संगठन
है पूर्वोत्तर सीमा रेल की जान
इसी से होती है पूर्वोत्तर राज्यों में
भारतीय रेल की सही पहचान !!

इसने किए बड़े-बड़े निर्माण काज
पूर्वोत्तर सीमा रेल की रखी लाज,
आज का काम होता यहाँ आज
भारतीय रेल को है इस पर नाज !!

माँ कामाख्या के आँचल में
मालीगांव के मनोहरी परिसर में,
कर्मठ रेलकर्मी यहाँ दफ्तर में
इच्छाशक्ति सब रखते मन में !!

बड़ी-बड़ी नदियों को लांघा
घाटी और पर्वतों को काटा,
सुरंग बनाकर रेल निकाली
देखा जंगलों का सन्नाटा !!

परियोजनाएं पूरी की अनेक
इंजीनियरों ने दिखाया स्व-विवेक,
रखे हमेशा सबने इरादे नेक
पूर्वोत्तर राज्यों को किया रेल से एक !!

निर्भर होकर करते हैं काम
निर्माण संगठन का है नेकनाम,
देता हमेशा उत्तम परिणाम
भारतीय रेल का किया ऊँचा नाम !!

निर्माण संगठन का यह पैगाम
कार्य करते हुए सीखो सब काम,
लक्ष्य तिथि से पहले पूरे करो काम
मिलेगा सबको मेहनत का इनाम !!

सुनकर रेल की आवाज
झूम उठता है यहाँ जनमानस आज,
निर्माण संगठन का है हौसला बुलंद
भारतीय रेल को यह बहुत पसंद !!

-राजभाषा विभाग
निर्माण संगठन
पूर्वोत्तर सीमा रेल

-लघु कथाएं

पंचायत का फैसला

हरिया एक मामूली किसान था। उसने अपने पड़ोसी मंगल की जमानत से गांव के साहूकार से एक हजार रूपए उधार लिए। फसल के बाद हरिया ने साहूकार का सारा कर्ज ब्याज समेत खुद जाकर लौटा दिया।

कुछ दिन बाद साहूकार ने मंगल को बुलाकर हरिया से रूपए वापस करवाने के लिए कहा। हरिया ने मंगल को असलियत बता दी। परन्तु उसे विश्वास नहीं हुआ। साहूकार ने यह मामला गांव की पंचायत के सामने पेश कर दिया। पंचायत ने दोनों से पूछताछ की। हरिया ने पंचायत के सामने भी सारी असलियत बता दी। उसका कसूर केवल यही था कि वह कर्ज लौटाने अकेला गया, मंगल को साथ लेकर नहीं गया। इसका फायदा उठाकर ही साहूकार ने बेईमानी का साहारा लिया। सरपंच ने पंचों से सलाह की। असलियत कुछ स्पष्ट न हो पाई थी। इसे स्पष्ट करने के लिए पंचायत ने अपना फैसला सुनाया कि हरिया साहूकार को केवल पांच सौ रूपए ही लौटाएगा। यह फैसला सुन कर हरिया बहुत गिड़गिड़ाया। परंतु साहूकार के चेहरे पर खुशी की चमक दौड़ गई। उसने हरिया से पांच सौ रूपए ही लेने मंजूर कर लिए।

साहूकार के चेहरे से सरपंच ने असलियत भांप ली। उसने दोबारा फैसला सुनाया कि हरिया की तरफ साहूकार का कोई पैसा बकाया नहीं है। साहूकार को इस बेईमानी के लिए दोषी ठहराया गया और उस पर पाँच सौ रूपए का दण्ड किया गया। हरिया को पंचायत का यह फैसला अच्छा लगा।

वसूली

मंत्री महोदय चुनाव के फौरन बाद अपने हल्के की झुग्गी-झौपड़ी कालोनी में दौरे पर गए। उसके स्वागत में कुछ लोग खाली हाथ और कुछ अपने हाथों में शराब की खाली बोतल लिए खड़े थे। मंत्री महोदय ने स्थानीय नेता को गुप्त हुक्म सुनाया कि जिस आदमी के पास खाली बोतल है उससे 100/- रूपए तथा दूसरों से 200/- रूपए वसूल किए जाएं। आदेश का पालन हुआ। नेता ने मंत्री से दो तरह की वसूली का राज पूछा। मंत्री ने बताया कि बोतल वालों ने उसे वोट दिए थे और दूसरों ने नहीं दिए थे। इसलिए शराब की दोगुनी कीमत के साथ इनसे वोट का हर्जाना भी वसूल किया जा रहा है।

- जगन्नाथ
उप महाप्रबंधक(राजभाषा)/नि.

पाठकों के पत्र

भारत सरकार
रेल मंत्रालय, (रेलवे बोर्ड)
नई दिल्ली-110001
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)
NEW DELHI-110001

सं.हिंदी 2011/रेराभा/संदेश/1 नई दिल्ली, दिनांक : 23-08.2011

महोदय,

पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण संगठन द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक संवाद पत्र के 19वें अंक की प्रति प्राप्त हुई. धन्यवाद.

त्रैमासिक संवाद पत्र की भाषा सहज, सरल एवं सराहनीय है. साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों की रिपोर्ट एवं छाया चित्र, विभिन्न गतिविधियाँ तथा रचनाएं आकर्षक ढंग से प्रस्तुत की गई हैं. इस पत्रिका की साज-सज्जा एवं मुद्रण बहुत ही आकर्षक है. कुल मिलाकर यह त्रैमासिक संवाद पत्र बहु-आयामी प्रतीत होता है.

इस उत्तम प्रयास के लिए मेरी ओर से पत्रिका के संपादक मंडल के सभी सदस्यों तथा पत्रिका के रचनाकारों को हार्दिक बधाई.

(ए.के.निगम)
सलाहकार (औ.संबंध)

श्रद्धांजलि

1. दिनांक 19.7.2011 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/मालीगांव के अधीन नारंगी में कार्यरत श्री अनिल चन्द्र दास, खलासी का ड्यूटी के दौरान देहांत हो गया।
2. दिनांक 17.9.2011 को एक सड़क दुर्घटना में लेखा विभाग/नि/डिब्रूगढ़ फील्ड यूनिट के श्री सुजीत सरकार, वरिष्ठ सहायक वित्त सलाहकार; श्री पी. सोनोवाल, लेखा सहायक; श्री हेमंत हजारिका, लेखा सहायक; श्री मनोरंजन सैकिया, लेखा सहायक और श्री रत्नेश्वर दास, कनिष्ठ लेखा सहायक का देहांत हो गया।

सभी दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए निर्माण संगठन के कार्यालय परिसर में शोक सभा आयोजित की गई।

बधाई

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

02 अक्टूबर, श्री राधे श्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-1

04 अक्टूबर, श्री एस.सी. रजक, मुख्य इंजी/नि/3 एवं मुराधि/नि

07 अक्टूबर, श्री रेनिया ऐटे, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलापथार-3

12 अक्टूबर, श्री वी.वी. चक्रवर्ती, वित्त सलाहकार एवं मुलेधि/नि/1

16 अक्टूबर, श्री एस.पी. यादव, उप मुख्य इंजीनियर/नि/कटिहार

19 अक्टूबर, श्री के. सिंगसन, उप मुख्य सि. एवं दू. सं. इंजी/नि/ मु.

02 दिसम्बर, श्री टी. दैमारी, उप मुख्य इंजीनियर/नि/वर्क्स

01 जनवरी, श्री राजू कुमार दास, उप मुख्य इंजी./नि/3/ सिलचर

01 जनवरी, श्री हीरालाल, भंडार नियंत्रक/नि

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

05 नवम्बर, श्री महिंद्र सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सामान्य

05 नवम्बर, श्री एस.के. वर्नवाल, उप मुख्य इंजीनियर/नि/डिब्रूगढ़-2

07 नवम्बर, श्री रेनिया ऐटे, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलापथार-3

22 नवम्बर, श्री एस.पी. यादव, उप मुख्य इंजीनियर/नि/कटिहार

05 दिसम्बर, श्री देवराज, उप मुख्य इंजीनियर/नि/निविदा

22 दिसम्बर, श्री एस.पी. देशमुख, उप मुख्य इंजी./नि/जिरिबाम-1

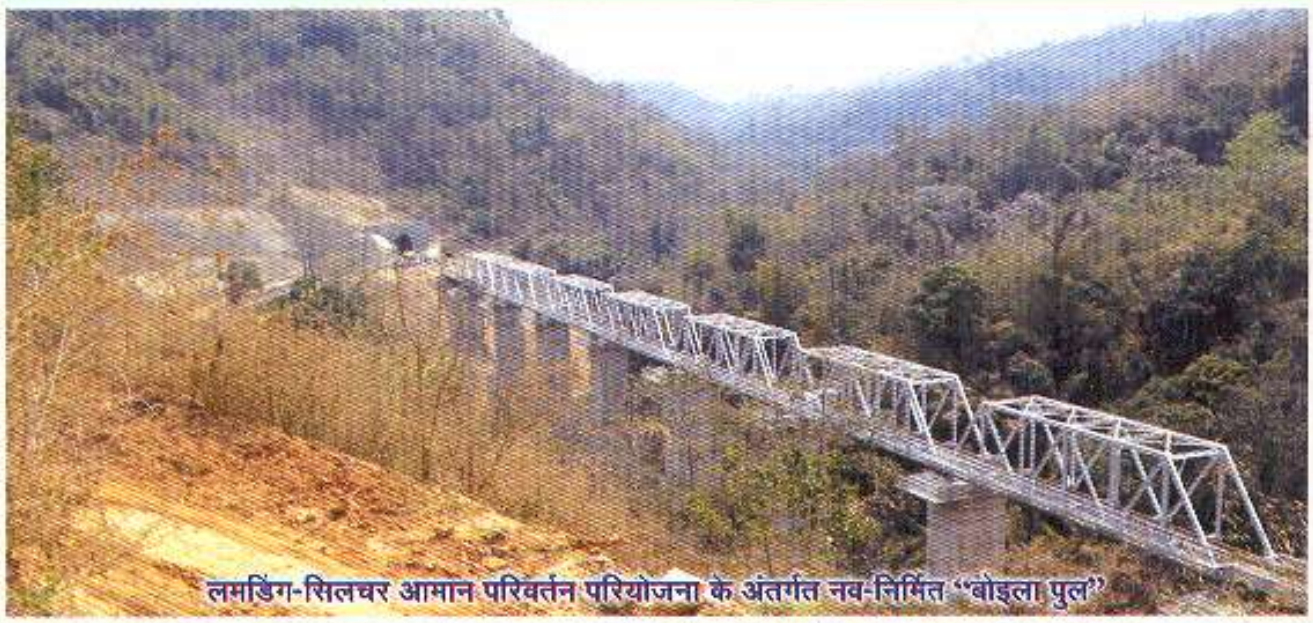

लमडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत नव-निर्मित "बोइला पुल"